[श्री रघुवीर सिंह शास्त्री]

बातचीत करेंगे तो मैं उन से यह भी पूछना चाहता हूं कि क्या प्रधान मंत्री जी ने अपने इंडोनेशिया के दौरे में वहां के राष्ट्रपति से और वहां के प्रधान मंत्री और विदेश मंत्री से इस सम्बन्ध में कुछ बातें की थीं और उस तरीके से क्या मौरीशस के प्रधान मंत्री से भी उन की इस सम्बन्ध में बातें हुई हैं इन सब तथ्यों पर क्या वह प्रकाश डालने की कृपा करेंगे ?

श्री ल० ना० मिश्र : जहां तक प्रधान मंत्री की बात का सवाल है उन्होंने एक बयान इस सदन् के पटल पर रक्खा था जिसको माननीय सदस्य ने देखा होगा । जहां तक मौरीशस के प्रधान मंत्री की बात है हम लोगों ने ज्वाएंट कम्युनिक किया है और दोनों प्रधान मंत्रियों ने इस बात की चर्चा की है कि हिन्द महासागर में बड़ी बड़ी शक्तियों को नहीं आना चाहिए और किसी तरीके का तनाव वहां नहीं बढ़ाना चाहिए ।

जहां तक यह सवाल कि रूस को मौरीशस ने क्या सुविधाएं दी हैं मुझे पूरी जानकारी नहीं है कि रूस को मौरिशस ने क्या सुविधा दी है लेकिन मौरीशस के पास रूस के अलावा और भी शक्ति है, ग्रेट ब्रिटेन उन को अगल बगल के टापुओं में कुछ सुविधाऐं हैं इसलिए वह एक चिन्ता की बात है और उस ओर ध्यान देना चाहिए ।

SHRI J. B. KRIPALANI (Guna): Why dose not he say, 'What can we do?'.

SHRI PILOO MODY: Are you trying for any co-operation?

SHRI BAL RAJ MADHOK (South Delhi): He dose not want to name them.

श्री रघुवीर सिंह शास्त्री : सोवियत रूस के डिफेंस मिनिस्टर का जो 14 मार्च का स्टेटमेंट है जिसमें उन्होंने यह कहा है कि हिन्द महासागर क्षेत्र में शान्ति के लिए यह प्रीकंडिशन है कि पाकिस्तान के पास एक बहुत बड़ी और ताक़तवर नौसेना होनी चाहिए और रूस उन को नैवी का इक्विपमैंट दे रहा है इस एवज में कि रूस को कुछ वह अपने तट पर सुविधा दे रहे हैं ? इस सम्बन्ध में मंत्री महोदय को क्या कहना है ?

श्री ल० ना० मिश्र : हम ने इस सदन में पहले भी कहा है कि रूस जिस तरीके से पाकिस्तान को हथियार या अन्य फौजी साजसामान देता है या प्रोत्सहान देता है उस का हम समर्थन नहीं करते । हम ने अपना ऐतराज बताया है और कहा है कि जितना भी वह पाकिस्तान की मदद करने की कोशिश करेंगे उससे शान्ति ख़तरे में होगी और हम लोगों के लिए एक ऐसी परिस्थिति आ जायेगी जो कि दुनिया की शान्ति के लिए ठीक नहीं होगी ।

12·24 hrs.

PAPERS LAID ON THE TABLE

REPORT OF UNECONOMIC BRANCH LINES COMMITTEE

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI R. L. CHATURVEDI): On behalf of Shri Govinda Menon I beg to lay on the Table a copy of the Report of the Uneconomic Branch Lines Committee, 1969. [*Placed in Library. See* No. L.T.—2425/69]

SHRI PILOO MODY (Godhra): Before you proceed further, I want to remind you that I sent a calling attention notice to you this morning on the firing in Porbandar.

MR. SPEAKER: I cannot say anything about the calling attention which came to me this morning.

SHRI PILOO MODY: Will you permit it, Sir? The Central Government is using its police force all the way in the West Coast. I think some discussion in the House may be permitted by you.